भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2696
उत्तर देने की तारीख 09 मार्च, 2026
18 फाल्गुन, 1947 (शक)

पारंपरिक और स्वदेशी खेलों को प्रोत्साहन

2696. श्री तेजस्वी सूर्या:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में पारंपरिक और स्वदेशी खेलों के संरक्षण, संवर्धन और विकास के लिए कोई कदम उठाए हैं या कोई नीति बनाई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और कितने एथलीटों को प्रशिक्षण और सहायता प्रदान की गई है, कितनी अवसंरचना का सृजन किया गया है, एथलीटों और कोचों को कितनी वित्तीय सहायता प्रदान की गई है, पारंपरिक खेलों के लिए कुल कितनी धनराशि आवंटित और उपयोग की गई है और कितनी कोचिंग सुविधाएं प्रदान की गई हैं, इसका खेल और राज्य / संघ राज्यक्षेत्र - वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार के पास वैश्विक स्तर पर पारंपरिक और स्वदेशी भारतीय खेलों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने और उन्हें लोकप्रिय बनाने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए इससे संबन्धित पहलों का और विस्तार करने पर विचार कर रही है, यदि हां, तो प्रस्तावित समय-सीमा, अनुमानित परिव्यय और इस संबंध में प्रस्तावित कदमों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (घ): 'खेल' राज्य विषय होने के कारण, पारंपरिक और देशज खेलों के संरक्षण, संवर्धन और विकास की नीति, अवसंरचना का निर्माण, एथलीटों और कोचों को वित्तीय सहायता प्रदान करने, जागरूकता बढ़ाने और पारंपरिक और देशज भारतीय खेलों को वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय

बनाने सहित खेलों के विकास का उत्तरदायित्व मुख्य रूप से राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों का होता है। केंद्र सरकार केवल महत्वपूर्ण कमियों को दूर करके उनके प्रयासों में सहायता करती है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय देश में खेलों के विकास हेतु निम्नलिखित स्कीमों को कार्यान्वित करता है:

i खेलो इंडिया – राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम;
ii राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) को सहायता;
iii अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में पदक विजेताओं और उनके कोचों को नकद प्रोत्साहन;
iv राष्ट्रीय खेल पुरस्कार;
v मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन;
vi खिलाड़ियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण कार्यक्रम;
vii राष्ट्रीय खेल विकास निधि;
viii भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के माध्यम से खेल प्रशिक्षण केंद्रों का संचालन; तथा
ix राष्ट्रीय खेल विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर)।

उपरोक्त स्कीमों का विवरण इस मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण की वेबसाइटों पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

इसके अतिरिक्त, खेलो इंडिया स्कीम के 'पारंपरिक और देशज खेलों का संवर्धन' उप-घटक को विशेष रूप से देशभर में पारंपरिक और देशज खेलों के विकास और संवर्धन के लिए समर्पित किया गया है। मल्लखंब, कलारीपयट्टु, गतका, थांग-टा, योगासन और सिलंबम जैसे देशज खेलों का चयन इस घटक के अंतर्गत संवर्धन हेतु किया गया है और इन्हें खेलो इंडिया गेम्स का हिस्सा बनाया गया है।

*****